आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 22.11.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रशासन से तेजी और पारदर्शिता के साथ काम करने का आह्वान किया।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– 25 वर्षों में उत्तराखंड ने सतत प्रगति और विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं।
- सीमांत क्षेत्रों में संचार व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से भारतीय सेना उत्तरकाशी के हर्षिल घाटी में 'कम्युनिटी रेडियो' स्टेशन की शुरूआत करेगी।
- और...कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों के उत्थान के लिए निरंतर नई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका उद्देश्य उनके जीवन को अधिक सुलभ, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर बनाना है।

सीएम का आह्वान

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट कहा कि–प्रशासन को तेजी और पारदर्शिता के साथ काम करना होगा। हर योजना और निर्णय लक्ष्य–आधारित और जन–केंद्रित होना चाहिए। व्यवस्था ऐसी बने कि फाइलों का निस्तारण समयबद्ध हो। योजनाओं का प्रभाव जमीनी स्तर पर तुरंत दिखाई दे साथ ही हर प्रक्रिया में अधिकारियों की जवाबदेही स्पष्ट हो। इन सभी बातों का आह्वान आज उन्होंने मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखंड के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की एक अनौपचारिक आयोजित बैठक में कही।

श्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड ने अपनी 25 वर्ष की यात्रा में अनेक चुनौतियों का सामना किया है और इन उपलब्धियों के पीछे राज्य के प्रशासनिक तंत्र की कड़ी मेहनत, निष्ठा और दूरदर्शिता का महत्वपूर्ण योगदान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समय अधिक गति, अधिक दृढ़ता और अधिक संकल्प के साथ काम करने का है। उन्होंने कहा कि आने वाले पाँच वर्ष उत्तराखंड के लिए निर्णायक होंगे और हमें राज्य को ऐसे मोड़ पर लेकर जाना है, जहाँ हर नागरिक यह महसूस करें कि राज्य निर्णायक और सकारात्मक परिवर्तन से गुजर रहा है।

पुस्तक विमोचन

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि 25 वर्षों में उत्तराखंड ने सतत प्रगति और विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं और प्रदेश एक बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रदेशवासियों का कर्तव्य है कि इस विकास यात्रा में सक्रिय सहभागी बनकर "विकसित उत्तराखंड" के संकल्प को साकार करें।

मुख्यमंत्री ने आज देहरादून में "उत्तराखंड राज्य का नवीन राजनीतिक इतिहास" पुस्तक का विमोचन करते हुए ये बात कही। यह पुस्तक उत्तराखंड राज्य के राजनीतिक, प्रशासनिक व क्रमिक विकास की संपूर्ण और प्रामाणिक दस्तावेज़ी यात्रा को प्रस्तुत करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस–एआई के इस तेज़ी से बदलते दौर में तकनीक का उपयोग आवश्यक है, लेकिन इसके साथ ही अपनी गढ़वाली, कुमाऊँनी, जौनसारी सहित सभी क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों को सुरक्षित रखना सभी का सामूहिक दायित्व है।

एनसीसी

केंद्र सरकार राष्ट्रीय कैडेट कोर–एनसीसी की क्षमता 17 लाख से बढ़ाकर 20 लाख करने और राष्ट्रीय विकास तथा राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में इसकी भूमिका का विस्तार करने की योजना बना रही है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने 78वें एनसीसी दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में राष्ट्रीय समर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि युवा देश की प्रगति में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनसीसी देश की युवा शक्ति और क्षमता का एक सशक्त उदाहरण है।

गांजा बरामद

नशा मुक्त देवभूमि अभियान के तहत हरिद्वार जिले की ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने लगभग 21 किलो ग्राम अवैध गांजा तस्कर बरामद किया है। आरोपित उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से गांजा लेकर हरिद्वार में सप्लाई के लिए आया था। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसका चालान कर दिया है।

'सिल्वर एलीफेंट अवार्ड'

कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत को स्काउट एंड गाइड आंदोलन में उनके उत्कृष्ट योगदान और नेतृत्व के लिए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'सिल्वर एलीफेंट अवार्ड' से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार आगामी 26 नवम्बर को लखनऊ में आयोजित भव्य समारोह में प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा उन्हें प्रदान किया जाएगा।

यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने संगठन के विस्तार, चरित्र निर्माण तथा राष्ट्र निर्माण के लिए विशेष योगदान दिया हो।

डॉ. रावत को यह प्रतिष्ठित सम्मान उत्तराखण्ड में स्काउट–गाइड आंदोलन को मजबूत बनाने, इसे व्यापक स्तर पर लागू करने तथा युवाओं में अनुशासन, एकता और देशभक्ति का भाव विकसित करने के उद्देश्य से किये गये उनके प्रयासों के लिये दिया जा रहा है।

कम्युनिटी रेडियो

भारतीय सेना उत्तरकाशी जिले के धराली में आई आपदा के बाद सीमांत क्षेत्रों में संचार व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से अब हर्षिल घाटी में कम्युनिटी रेडियो स्टेशन शुरू करने जा रही है। विशेष बात यह है

कि इसे इंटरनेट प्लेटफ़ॉर्म पर भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे देश–विदेश में बैठे लोग भी हर्षिल घाटी की आवाज़ सुन सकेंगे।

आई.बी.ई.एक्स तराना–88.4 रेडियो सीमांत इलाकों में स्थानीय संस्कृति, कृषि, मौसम, स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन से जुड़ी सूचनाएँ पहुँचाकर सेना और ग्रामीणों के बीच संवाद को मजबूत करेगा।

चारधाम यात्रा के दौरान ट्रैफिक अपडेट, मौसम संबंधी जानकारी, काश्तकारों के लिए कृषि सुझाव, गाँवों से जुड़ी महत्वपूर्ण घोषणाएँ और स्थानीय कार्यक्रमों का प्रसारण इस रेडियो स्टेशन से किया जाएगा। साथ ही आपदा के दौरान संचार व्यवस्था बाधित होने पर यह रेडियो त्वरित सूचना देने का प्रमुख माध्यम बनेगा। सेना और जिला प्रशासन का कहना है कि रेडियो स्टेशन खुलने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और प्रशिक्षण के अवसर भी बढ़ेंगे।

दिव्यांगजन

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों के उत्थान के लिए निरंतर नई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका उद्देश्य उनके जीवन को अधिक सुलभ, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर बनाना है। आज देहरादून में दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल वितरित करते हुए श्री जोशी ने कहा कि यह कार्यक्रम दिव्यांगजनों के आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत है कि दिव्यांगजन शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, परिवहन और सामाजिक सुरक्षा जैसी सभी सुविधाओं का बराबरी के साथ लाभ उठा सकें।

अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल

गोवा में आयोजित 56वे भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित IFFI waves film Bazaar–2025 में आज Knowledge Series का आयोजन किया गया। जिसका विषय Cinemascape Uttarakhand: Stories in the Mountains रखा गया। जिसमें मुख्य रूप से उत्तराखंड के बढ़ते सिनेमाई प्रभाव, नई फिल्म नीति और राज्य में फिल्म निर्माण के लिए विकसित किए जा रहे अनुकूल वातावरण पर चर्चा की गई।

सत्र में चर्चा की शुरुआत करते हुए निर्देशक, पटकथा लेखक और निर्माता यशस्वी जुयाल ने कहा कि उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक सुंदरता, बेहतरीन लोकेशन और फिल्म–फ्रेंडली वातावरण के कारण आज देश दुनिया के सिनेमा में उभरता हुआ महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। सत्र के प्रमुख वक्ता डॉ. नितिन उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में राज्य में नई फिल्म नीति लागू की गई है, जिसके सार्थक परिणाम सामने आने लगे है। डॉ. उपाध्याय ने कहा कि उत्तराखंड अब केवल एक लोकेशन–स्टेट नहीं रहा, बल्कि एक ऐसा प्रोडक्शन फ्रेंडली प्रदेश बनता जा रहा है, जहाँ कंटेंट क्रिएशन, टैलेंट डेवलपमेंट, फिल्म इन्फ्रास्ट्रक्चर और सरकारी सहयोग समानांतर रूप से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को लेकर भी संवेदनशील है और उनके लिए भी हर स्तर पर सहयोग दिया जा रहा है। सत्र में अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माता अरफ़ी लांबा ने वैश्विक परिप्रेक्ष्य से उत्तराखंड में फिल्म शूटिंग की संभावनाओं को रेखांकित किया। सत्र के अंत में मॉडरेटर यशस्वी जुयाल ने कहा कि यह संवाद न केवल उत्तराखंड की बढ़ती सिनेमाई संभावनाओं को रेखांकित करता है, बल्कि आने वाले वर्षों में राज्य को एक वैश्विक सिनेमा हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। रविन्द्र सिंह, आकाशवाणी समाचार देहरादून

30

त्रियुगीनारायण मंदिर

हिमालय की तलहटी में स्थित दिव्य और पवित्र त्रियुगीनारायण मंदिर में विवाह करने के इच्छुक लोगों को फरवरी और मार्च में पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद ही विवाहोत्सव के लिए तिथि निर्धारित की जाती है।

तीर्थ पुरोहित समिति के अध्यक्ष सच्चिदानंद पंचपुरी का कहना है कि त्रियुगीनारायण मंदिर मां पार्वती और भगवान शिव के विवाह स्थल के रूप में प्रसिद्ध है। इसी कारण बड़ी संख्या में नवयुवक–युवतियाँ त्रियुगीनारायण को साक्षी मानकर विवाह करने आते हैं।

समिति के सचिव सर्वेशनंद भट्ट ने बताया कि उत्तराखंड सरकार भी इसे वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने का प्रयास कर रही है, जिसके लिए क्षेत्र के समग्र विकास पर जोर दिया जा रहा है।

प्रतियोगिता

उत्तराखंड संस्कृत अकादमी हरिद्वार की ओर से अल्मोड़ा के एडम्स गर्ल्स इंटर कॉलेज में दो दिवसीय जिला स्तरीय विद्यालयी संस्कृत प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में जिले के 11 ब्लाकों के एक हजार से अधिक छात्रों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में संस्कृत समूह गान, संस्कृत नाटक, संस्कृत श्लोक वाचन, संस्कृत भाषण संस्कृत नृत्य प्रतियोगिता कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्ग के छात्रों के बीच कराई गई। प्रतियोगिता की जिला संयोजक डॉ दीपा गुप्ता ने बताया कि संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अकादमी की ओर से प्रतिवर्ष प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।

संस्कृत विद्या पीठ डोल लमगड़ा के आचार्य विवेक स्वरूप ने कहा कि संस्कृत हमारी मातृ भाषा है, जन्म से लेकर मृत्यु तक सभी संस्कार संस्कृत में होते हैं। उन्होंने कहा कि संस्कृत से ही संस्कार उत्पन्न होते हैं। संस्कृत का प्रचार प्रसार करना ही प्रतियोगिता का उद्देश्य है।